ISSN - 2229-3620

शोध संचार बुलेटिन

July-September, 2022
Vol. 12, Issue 47
Page Nos. 71-75

AN INTERNATIONAL BILINGUAL PEER REVIEWED REFEREED RESEARCH JOURNAL

21वीं सदी में समावेशी ग्रामीण विकास का आधार सांसद आदर्श ग्राम योजना

श्री कुलदीप चतुर्वेदी*

शोध सारांश

प्रस्तुत शोधपत्र में ग्रामीण विकास के महत्व को रेखांकित करते हुए, 21वीं सदी में समावेशी ग्रामीण विकास के अंतर्गत आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय व मानव विकास के विभिन्न आयामों को आत्मसात करते हुए समन्वित विकास की आवश्यकता है, ऐसे समावेशी विकास को वास्तविकता के क्षितिज पर साकार करने की एक किरण सांसद आदर्श ग्राम योजना में दिखाई देती है, प्रस्तुत शोधपत्र में आदर्श ग्राम योजना ने कैसे ग्रामों की तस्वीर बदली, उसके क्या लाभ हुए, परंतु फिर भी क्या चुनौतियाँ है व चुनौतियों के निपटने के सुझावों के साथ सांगोपांग विश्लेषण किया गया है।

Keywords : समावेशी विकास, सांसद आदर्श ग्राम योजना, गैर सरकारी संगठन, नैगमिक सामाजिक उत्तरदयित्व, ग्रामीण विकास योजना, जयापुर

प्रस्तावना :– पंचायती राज एक जीवन दर्शन है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास एवं अधिकतम लोगों का सर्वांगीण विकास करना है।[1] भारत में 68-84% जनसंख्या गांवो में निवास करती है।[2] गाँधीजी के अनुसार, "भारत की आत्मा गांवों में बस्ती है।[3] अर्थात भारत के विकास का मार्ग ग्रामीण विकास से होकर गुजरता है।

गाँधी जी के अनुसार, "ग्रामीण की संकल्पना स्वराज को सुराज में बदलने के लिए आदर्श ग्रामों के विकास पर केन्द्रित हो।[4]

इसी भावना को आत्मसात् करते हुए इसे स्वरूप प्रदान करने के लिए 11 अक्टूबर 2014 को "सांसद आदर्श ग्राम योजना" की शुरुआत की है।[5]

इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक सांसद 2024 तक 5 गांव गोद लेकर उन्हें आदर्श रूप में विकसित करेंगे, "जिसमें न केवल आधारसंरचना का विकास होगा, बल्कि आमजनमानस में भागीदारी, अंत्योदय, लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय, व्यक्तिक गरिमा, स्वशासन जैसे उच्च मूल्यों को विकास होगा जो अन्य ग्रामों के लिए आदर्श प्रस्तुत करें।"[6] प्रस्तुत शोधपत्र माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा गोद लिए गांव जयापुर के विश्लेषण पर आधारित है।

साहित्यिक पुनर्रावलोकन :–

1. सौरभ कुमार द्विवेदी ने इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च वॉल्यूम में "प्रोस्पेरिटी सांसद आदर्श ग्राम योजना ग्राम योजना एण्ड इम्लीमेंटेशन इश्यू" में ग्रामीण विकास में प्रमुख चुनौतियों को रेखांकित किया है।
2. डॉ0 रूद्र ने रिसर्च गेट जर्नल में, सांसद आदर्श ग्राम योजना इन इनोवेटिव मैनेजमेंट मॉडल फॉर इम्पावरिंग रूरल इंडिया विद इनोवेटिव प्रैक्टिस में योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक विकास न होकर सामुदायिक भावना का विकास आत्मनिर्भरता, स्वच्छता राष्ट्गौरव, सांस्कृतिक पहचान को वरीयता देकर मानव का समावेशी विकास करना है।
3. आशुतोष पाण्डे 2016 ने "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसेंट साइंटिफिक रिचर्स" नामक जर्नल में "गवर्नमेंट पॉलिसी सर्विंग एज ए प्लेटफार्म फॉर कॉपोरेट सोशल रिस्पॉसिबिलिटी" में सांसर आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत विकास के लिए संसाधनों को जुटाने में कोऑपरेटिव सोशल रिस्पोसिबिलिटी फंड अहम भूमिका का निर्वहन कर सकता है।
4. सुनीता चौधारी ने "ग्रामीण विकास समीक्षा" अंक 56,2015 पत्रिका में ई–पंचायत सूचना और संचार प्रौद्योगिकी द्वारा स्वशासन में सुधार नामक लेख में बताया कि सूचना व संचार प्रौद्योगिकी द्वारा पारदर्शिता में वृद्धि करके निर्णमन व नवपरिवर्तन में आसानी होगी।

*असिस्टेंट प्रोफेसर – राजनीति विज्ञान, शासकीय राजीव गाँधी पी.जी. कॉलेज, अम्बिकापुर (छ.ग.)

शोधपद्धति :– प्रस्तुत शोध पत्र के निर्माण में साक्षात्कार अनुसूची प्रश्नावली के साथ अवलोकन पद्धति का सहारा लिया गया जिसमें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गोद लिया गांव जयापुर जिला वाराणसी का अध्ययन किया।

तथ्य संचयन व विश्लेषण :–

21वीं सदी की शुरूआत में ही विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब से अधिक हो चुकी है[1], विशाल जनसंख्या को खाद्य सुरक्षा, पेयजल, उत्तम स्वास्थ्य, उन्नतशील शिक्षा, रोजगार, आर्थिक व आधारभूत संरचना का विकास स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करने की चुनौती का सपना समुचा विश्व कर रहा है।

भारत को भी अपने प्राकृतिक व मानव संसाधनों का ईष्टम प्रयोग करते हुए समस्त नागरिकों का समावेशी व समवित विकास सुनिश्चित करते हुए राष्ट्र को प्रगति के नए क्षितिज पर पहुंचाते हुए विश्वगुरू बनाने का सपना साकार करना है।

भारत की 68-84% जनसंख्या ग्रामीण भारत में निवास करती है, अर्थात समावेशी ग्रामीण विकास से ही भारत के विकास का मार्ग निकालता है।

इसी पृष्ठभूमि में 11 अक्टूबर 2014 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सांसद आदर्श ग्राम योजना की घोषणा की जिसका उददेश्य न सिर्फ अधोसंरचना का विकास करना बल्कि आमजनमानस में भागीदारी, पारदर्शिता सुशासन, सामाजिक न्याय जैसे उच्च मानवीय मूल्यों का समुचित विकास करना ताकि ये गांव अन्य गांवों को एक आदर्श प्रस्तुत कर सके।

इस योजना के वास्तविक क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए प्रधानमंत्री द्वारा गोद लिया ग्राम जयापुर जिला वाराणसी का विश्लेषण किया जिसमें पाया गया है कि योजना के क्रियान्वयन के लिए सर्वप्रथम ग्राम विकास योजना का निर्माण समस्त ग्रामवसियों के सहयोग से किया, योजना ने आर्थिक, राजनीतिक समाजिक सांस्कृतिक, पर्यावरणीय व मानव विकास के विभिन्न आयामों पर कार्य करते हुए गाँव का संपूर्ण कायाकल्प कर दिया।[2]

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत गांव में आधारभूत संरचना का बेहतर विकास किया गया, जिसके अंतर्गत सड़कों, प्रत्येक घरों में पाइपलाइन के माध्यम से शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, पुस्तकालय, स्मार्ट क्लासरूम, गलियों में प्रकाश की व्यवस्था की गई जिससे समंवित विकास को नया क्षितिज प्राप्त हो रहा है।

आधारभूत संरचना के बेहतर विकास के परिणामस्वरूप यहाँ स्थानीय संसाधनों का बेहतर प्रयोग करते हुए ग्राम में हथकरघा उद्योग की स्थापना की गई जिसमें लगभग 100 महिलाओं को रोजागर प्रदान किया[3], इसके साथ ही दो बैंकों, उपडाकघर, बीज निर्माण व विपणन केन्द्र की स्थापना ने जहाँ एक ओर जीवन को सुगम बनाया वही दूसरी ओर रोजगार व स्वरोजगार के नए अवसर सृजित हुए।

सांसद आदर्श ग्राम जयापुर में राजनीतिक जागरूकता व प्रशिक्षण उच्च श्रेणी का है, लोकतंत्र को सफल बनाने की पहली कसौटी जनभागीदारी ही है, यहाँ ग्राम विकास योजना वीडीपी के अंतर्गत सभी ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए विकास के लिए नवीन सुझाव प्रस्तुत करते हुए समावेशी विकास योजना का निर्माण किया[4]।

आदर्श ग्राम जयापुर में अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण व योजनाओं की जानकारी ग्राम में आकर दी गई जिससे सुशासन व पारदर्शिता में वृद्धि हुई।

राजनीति जागरूकता व प्रशिक्षण व प्रभाव यह है कि ग्राम में 15 पंचों की संख्या में 8 महिलाएँ हैं, व एवं वे अपने कार्य विकास सक्रीयता से संपन्ना करता हैं, अर्थात महिलाओं को सही प्रति प्रदान किया गया है।

आदर्श ग्राम जयापुर में सामाजिक मापदंडों में सुधार हुआ हैं, शिक्षा में क्षेत्र में न सिर्फ हुआ है, शिक्षा में क्षेत्र में न सिर्फ आधारभूत का विकास हुआ बल्कि छात्रों के गुणात्मक स्तर में अंतर आया है। विद्यालय में पुस्तकालय स्मार्ट क्लासरूम, प्रोजेक्टर द्वारा अध्ययन ने बोधगम्यता में वृद्धि की, वहीं दूसरी ओर खेल, योग आदि के माध्यम से शारीरिक व मानसिक सुदृढ़ता बच्चों में आई है।

स्वास्थ्य रोग का अभाव मात्र नहीं, वरन पूर्ण भौतिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की अवस्था है।[5] स्वास्थ्य के क्षेत्र में गाँव में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की गई, जिससे सामान्य बीमारियों का ईलाज स्थानीय स्तर पर त्वरित व कम खर्चे में संभव हुआ, साथ ही महिलाओं को प्रसव पूर्व, प्रसव के दौरान व प्रसव उपरात समुचित देखभाल की व्यवस्था की गई जिससे मातृ व शिशु मृत्यु दर में अभूतपूर्व कमी आई है। आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों को पृथक "अटलनगर" बनाकर बेहतर निवास की व्यवस्था की गई, साथ ही समस्त सामाजिक योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को अधिकारियों द्वारा कैंप लगाकर दिया गया जिससे सामाजिक न्याय को बढ़ावा मिला है।

आदर्श ग्राम जयापुर में अपनी संस्कृति को भी बढ़ावा दिया गया, विभिन्न त्यौहारों पर मेले आदि का आयोजन, 'रामलीला मंचन' के लिए पृथक मंच व निर्माण, सामुदयिक भवन निर्माण जिससे लोग अपनी सांस्कृतिक पहचान को नवीन क्षितिज प्रदान कर रहे है।

आदर्श ग्राम जयापुर में समावेशी विकास को बढ़ावा देते हुए विकास की दिशा को ऐसे निधारित किया गया है, पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले साथ ही ग्रामीण विकास की सुनिश्चित हो सके।

आदर्श ग्राम जयापुर में सौर उर्जा से संचालित स्ट्रीट लाइट घरों में सौर यूनिट की स्थापना, सोलर पंप आदि की स्थापना की गई, जिससे एक ओर उर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिला

...ही दूसरी ओर अबाधित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हुई।

ग्राम में बायो टॉयलेट, बायो गैस प्लांट आदि की स्थापना ...की गई, जिससे एक ओर उर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत को बढ़ावा ...वहीं दूसरी ओर अपशिष्ट प्रबंधन में सहायता मिला, जैविक ...निर्माण में गांव मे आर्थिक स्वालंबन को बढ़ाया दिया।

आदर्श ग्राम जयापुर में भौतिक विकास के साथ –साथ

मानव संसाधन विकास को विशेष महत्व दिया गया है, जिसके अंतर्गत कौशल विकास को प्राथमिकता दी गई, जिसमें सिलाई सैंटर की स्थापना, हथकरधा का प्रशिक्षण, टेडीबियर बनाने की कला, मोबाइल रिपेयर, बीज निर्माण व ग्रेडिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जिसने रोजगार व स्वरोजगार के नवीन अवसर उपलब्ध कराए।

सांसद आदर्श ग्राम जयापुर की कुछ तस्वीरें व प्रधान के साथ शोधार्थी

इसके साथ ही कैंप लगाकर, गणमान्य हस्तियों के माध्यम से लोगों में आपसी प्रेम, सदभावन, श्रमकी गरिमा, स्वालंबन, ईमानदारी आत्मनिर्भता, सहिष्णुता, सम्मान आदि के माध्यम से नैतिक शिक्षा प्रदान करके मानवीय गुणों का समावेश करने का प्रयास किया गया।

आदर्श ग्राम जयापुर की वास्तविक धरातल पर स्वंय अवलोकन व लोगों से चर्चा करने के उपरांत पाया कि ग्राम को आदर्श बनाने में माननीय सांसद व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, सरकारी अधिकारियों, गैर सरकारी संगठन, कॉर्पोरेट रिस्पोंसिबिलिटी आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, सीआरपी के माध्यम से अन्य आधारभूत संरचनाओं का निर्माण किया गया, गैर सरकारी संगठनों द्वारा कौशल विकास, शिक्षा नैतिकशिक्षा, स्वास्थ्य आदि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है।

चुनौतियाँ :– समावेशी ग्रामीण विकास को सुनिश्चित करने में कुछ चुनौतियाँ भी देखी गई है। सर्वप्रथम सांसद आदर्श ग्राम योजना के लिए पृथक से कोई फंड की व्यवस्था नहीं है जो सबसे बड़ी समस्या है, इसके क्रियान्वयन के लिए पूर्व से चल रही योजनाओं के लिए आबंटित फंड का ही प्रयोग किया जाता है जिसमें समान्वय बनाना बड़ी चुनौती है।

ग्राम का विकास बहुत आदर्श रूप में सुनिश्चित करने के लिए फंड व अन्यसंसाधनों के लिये गैर सरकारी संगठनों व कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोसिबिलिटी फंड पर आश्रित है, ये संस्थाएँ तब प्रभावी रूप से कार्य करती है जब स्थानीय सांसद व्यक्तिगत रूचि लेते है, ऐसे में कई बार आदर्श ग्राम भी उपेक्षा के शिकार हो जाते है।

शासकीय अधिकारियों व नौकरशाही पहले से ही कार्य बोझ से ग्रसित है ऐसे में आदर्श ग्राम की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर होती है, ऐसे में बेहतर सामंजस्य नहीं बैठ पाता है।

सबसे महत्वपूर्ण आम जनभागीदारी की कमी देखी गई है, सामान्य जनमानस अभी भी ग्रामीण विकास सरकार की जिम्मेदारी ही मानता है, जिससे वह अपना योगदन नही देता जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

अभी भी अधिकांश जनसंख्या रोजगार के लिए कृषि कार्यो पर आश्रित है, वर्तमान कृषि व्यवस्था प्रच्छन्न बेरोजगारी का शिकार।

सुझाव :–

भारत में समावेशी ग्रामीण विकास को सुनिश्चित के लिए निश्चित रूप से सांसद आदर्श ग्राम योजना ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है, परंतु फिर भी कुछ कमियां मौजूद है, विकास रणनीति को कारगर बनाने में कुछ सुझाव महत्वपूर्ण साबित हो सकते है।

संसद आदर्श ग्राम योजना के लिए पृथक फंड की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि विकास का कार्य त्वरित व समयबद्ध किया जा सके।

सामान्यतः यह पाया गया कि जिन सांसद महोदय ने आदर्श ग्राम विकसित करने में रूचि दिखाई वहाँ विकास प्रभावी रूप से हुआ, अतः सभी सांसदों द्वारा गोद लिया गांवों का स्वतंत्र ऑडिट हो एवं विकास में पिछड़ने पर स्वयं सांसद की जिम्मेदारी तय की जाए।

गैर सरकारी संगठन ग्रामीण में प्रभावी भूमिका का निर्वहन करते हैं उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप कुछ फंड व अन्य तकनीकी सहायता प्रदान की जाए।

सांसद आदर्श ग्राम योजना के लिए पृथक से एक नोडल अधिकारी नियुक्त हो जो सांसद को रिर्पोट दे, एवं विकास कार्य की जिम्मेदारी उसी की हो।

सबसे महत्वपूर्ण जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि को बढ़ावा देकर उन्हें विकास का मसीहा बनने को प्रेरित किया जाए।

निष्कर्ष :–

भारत में समावेशी ग्रामीण विकास को सुनिश्चित करने में सांसद आदर्श ग्राम योजन ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। यह योजना मानव के समस्त पहलुओं को उजागर करके समंवित विकास को बढ़ावा देती है, इस योजना ने ग्रामीण विकास की नई अवधारण को विकसित किया है।

प्रत्येक देशभक्त के समक्ष यह चुनौति होगी कि भारत के गॉवो का ऐसा पुर्ननिर्माण किस प्रकार किया जाए कि कोई व्यक्ति उसमें उतनी ही असानी से रह सके जैसे की शहरों में रहा जाता है।"

हम इस चुनौति को स्वीकार करते हुए भारत की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगें जिसमें संसाद आदर्श ग्राम योजना एक मील का पत्थर सबित होगी।

सन्दर्भ :–

1. मीना जनक सिंह ग्रामीण विकास के विविध आयाम ज्ञान पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली, पेज नं. 7
2. भारत की जनसंख्याा रिर्पोट 2011, http://censusindia.gov.in
3. महत्मा गॉधी, हरिजन 1939 भाग 7 पेज 391
4. सांसद आदर्श ग्राम योजना, दिशा निर्देश ग्रामीण विकास, विभाग ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार पेज नं–6
5. सांसद आदर्श ग्राम योजना, दिशा निर्देश ग्रामीण विकास, विभाग ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार पेज नं–4
6. सांसद आदर्श ग्राम योजना, दिशा निर्देश ग्रामीण विकास, विभाग ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार पेज नं–8

http://en.m.wikipedia.org
साक्षात्कार ग्राम प्रधान दिनांक 16/06/2022 ग्राम जयापुर जिला वाराणसी (उ.प्र)
साक्षात्कार, प्रबंधक जयापुर हथकरघा उद्योग दिनांक 16/06/2022 ग्राम जयापुर जिला वाराणसी (उ.प्र)
10. साक्षात्कार, खंडविकास अधिकारी दिनांक 16/06/2022 विकासखंड
11. पंचायत रजिस्टर, ग्राम जयापुर जिला वाराणसी (उ.प्र)
12. सिंह जिले, ग्रामीण, की चुनौतियाँ (2016), विश्व भारती पब्लिकेशन नई दिल्ली, पेज 133
13. सांसद आदर्श ग्राम योजना, दिशा निर्देश ग्रामीण विकास, विभाग ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार पेज नं-7

❐❐❐